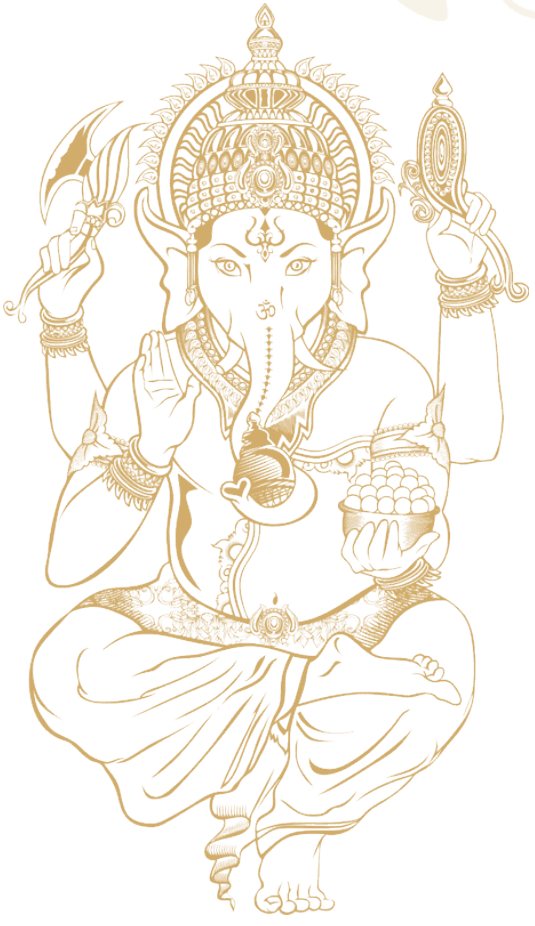

Rajat Sharma

Mukul

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121379401

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121379401 Date: 24/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21-22/06/1997	जन्म तिथि	09/04/1998
शनि-रविवार	दिन	गुरुवार
घंटे 04:05:00	जन्म समय	12:45:00 घंटे
घटी 56:48:46	जन्म समय(घटी)	16:44:21 घटी
India	देश	India
Ambala	स्थान	Gurgaon
30:19:00 उत्तर	अक्षांश	28:27:00 उत्तर
76:49:00 पूर्व	रेखांश	77:01:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:44	स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:21:29	सूर्योदय	06:03:49
19:27:38	सूर्यास्त	18:43:53
23:49:16	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:51

वृष	लग्न	कर्क
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
धनु	राशि	सिंह
गुरु	राशि-स्वामी	सूर्य
पूर्वाषाढ़ा	नक्षत्र	उ०फाल्गुनी
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
3	चरण	1
ब्रह्म	योग	वृद्धि
तैतिल	करण	तैतिल
फा-फारुख	जन्म नामाक्षर	टे-टेस्टी
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	वनचर
वानर	योनि	गौ
मनुष्य	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	आद्य
मूषक	वर्ग	श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 7वर्ष 1मा 15दि		17:12:07	वृष	लग्न	कर्क	08:12:07	सूर्य 5वर्ष 10मा 22दि	
मंगल		06:44:42	मिथु	सूर्य	मीन	25:24:37	राहु	
06/08/2020		21:55:00	धनु	चंद्र	सिंह	26:54:07	01/03/2021	
07/08/2027		07:19:05	कन्या	मंगल	मेष	03:22:03	02/03/2039	
मंगल	02/01/2021	01:59:17	मिथु	बुध व	मीन	20:47:10	राहु	12/11/2023
राहु	21/01/2022	27:53:37	मक व	गुरु	कुंभ	21:12:28	गुरु	07/04/2026
गुरु	28/12/2022	27:51:44	मिथु	शुक्र	कुंभ	09:22:35	शनि	11/02/2029
शनि	05/02/2024	25:09:28	मीन	शनि	मीन	28:59:07	बुध	31/08/2031
बुध	02/02/2025	29:36:47	सिंह व	राहु व	सिंह	16:18:31	केतु	18/09/2032
केतु	01/07/2025	29:36:47	कुंभ व	केतु व	कुंभ	16:18:31	शुक्र	19/09/2035
शुक्र	31/08/2026	14:14:41	मक व	हर्ष	मक	18:18:55	सूर्य	12/08/2036
सूर्य	06/01/2027	05:29:57	मक व	नेप	मक	08:09:30	चन्द्र	11/02/2038
चन्द्र	07/08/2027	09:41:24	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	14:00:02	मंगल	02/03/2039

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:16 चित्रपक्षीय अयनांश **23:49:51**

लग्न-चलित

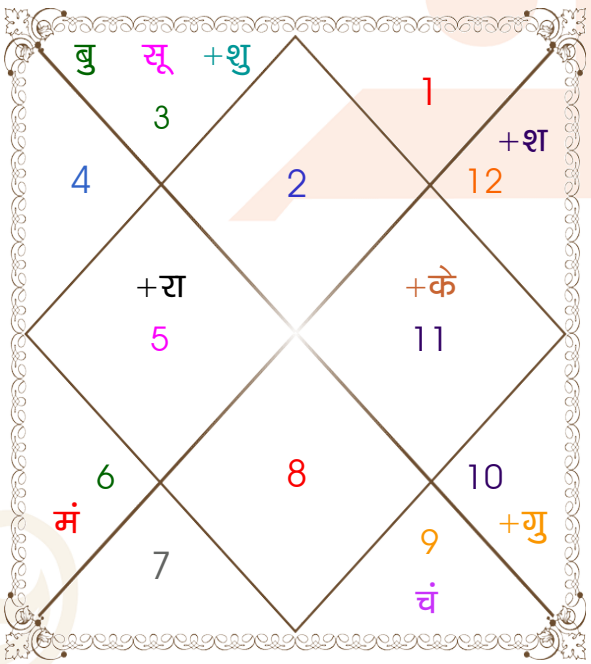

लग्न-चलित

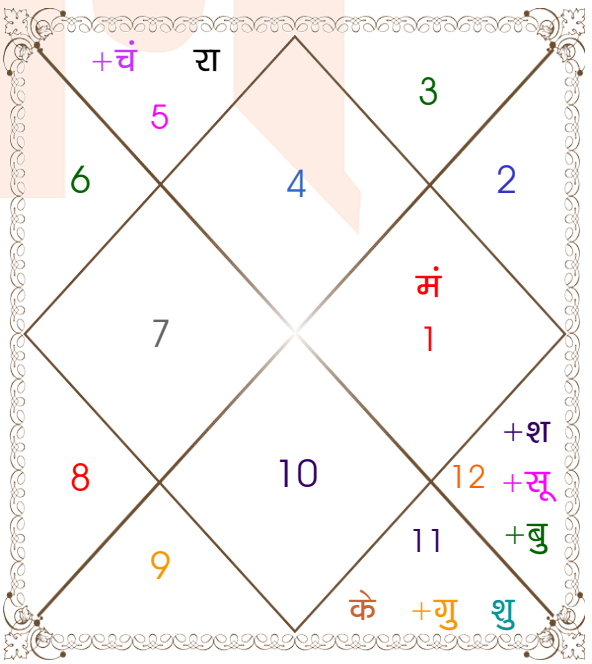

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

कुल : **25 / 36**

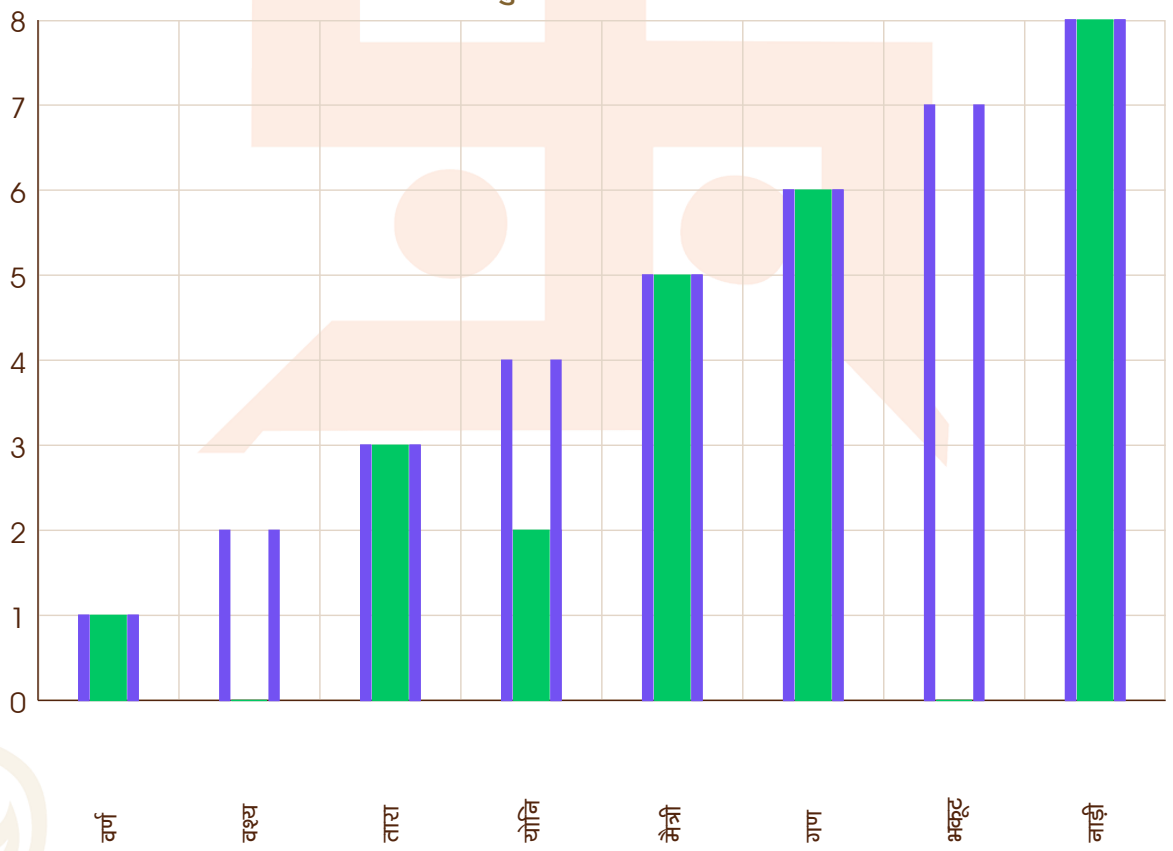

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

त्रंजौतउं का वर्ग मूषक है तथा डनानस का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार त्रंजौतउं और डनानस का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

त्रंजौतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

डनानस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

त्रंजौतउं तथा डनानस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

त्रंजौतउं का वर्ण क्षत्रिय तथा डनानस का वर्ण भी क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों ही दम्पत्ति अति ऊर्जावान, साहसी, उद्यमी होंगे साथ ही दोनों एक-दूसरे के साथ सद्भाव एवं प्रेम से जीवन बितायेंगे। इसके अतिरिक्त समय-समय पर एक-दूसरे की सहायता से सुखी एवं समृद्ध परिवार का निर्माण करने में योगदान देते रहेंगे।

वश्य

त्रंजौतउं का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं डनानस का वश्य वनचर अर्थात सिंह (शेर) है। जिसके कारण यह मिलान अशुभ मिलान होगा। पशु हमेशा वनचरों (सिंह) के शिकार होत रहते हैं। पशुओं को हमेशा शेर से स्वयं की रक्षा करनी पड़ती है क्योंकि शेर, पशुओं को मारकर खा जाते हैं। इसी प्रकार यदि त्रंजौतउं चतुष्पद एवं डनानस वनचर हो तो डनानस समय समय पर क्रूर स्वभाव, निर्दयी एवं हावी रहने वाली प्रवृत्ति की हो सकती है। फलस्वरूप डनानस त्रंजौतउं पर कभी-कभी हावी रहेगी जो त्रंजौतउं एवं उसके परिवार के लिए अच्छा नहीं रहेगा। डनानस का यह स्वभाव पूरी तरह से घर एवं परिवार की शांति को भंग कर सकता है तथा डनानस के असामान्य व्यवहार के कारण घर में अव्यवस्था एवं कोलाहल का माहौल रह सकता है।

तारा

त्रंजौतउं की तारा अतिमित्र तथा डनानस की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। त्रंजौतउं हमेशा डनानस के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

त्रंजौतउं की योनि वानर है तथा डनानस की योनि गौ है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में

दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में त्रंजौंतउं एवं डनानस दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि त्रंजौंतउं एवं डनानस के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण त्रंजौंतउं एवं डनानस जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

त्रंजौंतउं का गण मनुष्य तथा डनानस का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

त्रंजौंतउं से डनानस की राशि नवम भाव में स्थित है तथा डनानस से त्रंजौंतउं की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। त्रंजौंतउं की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

त्रंज ौंतउं की नाड़ी मध्य है तथा डनानस की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

मेलापक फलित

स्वभाव

त्रंजौतउं की जन्म राशि अग्नि तत्व युक्त धनु तथा डनानस की राशि भी अग्नि तत्व युक्त सिंह राशि है। दोनों की तत्वों में समानता के कारण संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा । अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

त्रंजौतउं की जन्म राशि का स्वामी बृहस्पति तथा डनानस की जन्म राशि का स्वामी सूर्य परस्पर मित्र राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से त्रंजौतउं और डनानस के मध्य प्रेम सहानुभूति तथा समर्पण का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग देने में तत्पर रहेंगे। वे एक दूसरे के गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की सच्चे मित्र की तरह उपेक्षा करेंगे जिससे वैवाहिक जीवन की सुख शांति बनी रहेगी तथा परस्पर सम्मान पूर्वक एक दूसरे के अस्तित्व को स्वीकार करके व्यवहार करेंगे।

त्रंजौतउं और डनानस की राशियां परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष कहलाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ फलों में न्यूनता आएगी जिससे मानसिक परेशानी का भाव रहेगा। साथ ही अंहकार एवं उपेक्षा की भावना भी एक दूसरे के प्रति रहेगी जिससे आपसी संबंधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा। अतः यदि त्रंजौतउं और डनानस परस्पर सामंजस्य की प्रवृति का पालन करें तथा एक दूसरे के साथ समान रूप से व्यवहार करें तो वैवाहिक जीवन में सुखद क्षणकी प्राप्ति हो सकती है।

त्रंजौतउं का वश्य चतुष्पद एवं डनानस का वश्य वनचर है नैसर्गिक रूप से चतुष्पद एवं वनचर में विशेष समानता का भाव नहीं होता है। अतः त्रंजौतउं और डनानस की अभिरूचियों में अंतर रहेगा। उनकी शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर विषमता रहेगी फलतः काम संबंधों में एक दूसरे से सन्तुष्टि अल्प मात्रा में ही होगी तथा इसके प्रति उनके विभिन्न दृष्टि कोण रहेंगे।

त्रंजौतउं का वर्ण क्षत्रिय तथा डनानस का वर्ण भी क्षत्रिय है। अतः इनकी कार्य क्षमताएं समान रहेंगी तथा पराक्रमी तथा साहसिक कार्यो को करने में तत्पर रहेंगे फलतः इनका कार्य क्षेत्र सुदृढ़ रहेगा।

धन

त्रंजौतउं का जन्म अतिमित्र तथा डनानस का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से डनानस एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा डनानस के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार त्रंजौतउं और डनानस आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

त्रंजौतउं और डनानस को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

त्रंजौतउं की नाड़ी मध्य तथा डनानस की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों का जन्म अलग अलग नाड़ियों में होने के कारण यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके शुभ प्रभाव से अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में वे समर्थ होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी तथा समय भी सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः दोनों स्वस्थ तथा प्रसन्नचित रहकर अपना जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से त्रंजौतउं और डनानस का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त त्रंजौतउं और डनानस के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में डनानस के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन डनानस को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में डनानस को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से त्रंजौतउं और डनानस सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार त्रंजौतउं और डनानस का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डनानस के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद डनानस अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य

में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से डनानस पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि डनानस अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

त्रंजौतउं तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में त्रंजौतउं के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह त्रंजौतउं को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही त्रंजौतउं के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण त्रंजौतउं के प्रति अनुकूल ही रहेगा।